

‘जनजाति समुदाय ने जल, जंगल व जमीन के संतुलन से जीना सिखाया’

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इंगरपुर में जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित किया

इंग्रपुर/जयपुर, 15 नवम्बरा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जनजाति समुदाय ने सदियों से प्रकृति, संस्कृति, साहस और सत्य के मार्ग को जीवंत रखा है। राजस्थान के हृदय में सबसे जीवंत और प्रखर धारा के रूप में हमारे आदिवासी भाई-बहन हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासियों का इतिहास संघर्ष से भरा है, लेकिन उससे भी अधिक गौरवपूर्ण है।

इन्होंने जल, जंगल और जमीन के साथ संतुलन बनाकर विश्व को जीना

- भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयन्ती पर मु.मंत्री भजनलाल शर्मा ने किसानों और छात्र-छात्राओं को 204 करोड़ रूपए की राशि डीबीटी के द्वारा ट्रॉसंपन्न की।**

सिखाया है। त्योहारों, गीतों और परम्पराओं से राजस्थान की पहचान को समृद्ध बनाया है।

उन्होंने कहा कि जनजातियों के नृत्य में ताल ही नहीं, बल्कि पीढ़ियों की कहानियाँ समाहित हैं। इसी प्रकार, त्योहारों में रंग ही नहीं, आदिवासी धारा की चमक भी बसती है। राज्य सरकार इन परम्पराओं को संजोने के साथ ही, उन्हें दुनिया के सामने गर्व से पेश करेगी। राज्य सरकार जनजाति कल्याण के लिए संकल्पित है।

शर्मा शनिवार को इंग्रपुर के

लालू की पुत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
आचार्य की यह पोस्ट पहले से ही उथल-पुथल श्रेल रहे परिवार और पार्टी में और अधिक हलचल पैदा कर देगी। राजद पहले ही लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को पार्टी से निकाल चुकी है।

तेज प्रताप ने नई पार्टी, “जनशक्ति जनता दल” बनाई थी, जिसने चुनाव अकेले लड़ा और राधोपुर विधानसभा सीट से तेजस्वी के खिलाफ भी उम्मीदवार उतारा। पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली, यहाँ तक कि महुआ सीट भी नहीं, जहाँ से तेज प्रताप ने चुनाव लड़ा था। आचार्य, जो कथित रूप से तेज प्रताप के निष्कासन से नाखुश थीं, बिहार विधानसभा चुनाव से पहले भी कई बार पार्टी के प्रति अपनी नाराजगी जताती रही थीं, हालांकि कई बार उन्होंने मेल-मिलाप वाले संदेश भी पोस्ट किए।

सितंबर के आसपास, आचार्य ने सभी राजनीतिक नेताओं और अपने परिवारजनों को सोशल मीडिया पर अनफॉलो कर दिया था। इसके बाद उन्होंने एक पोस्ट किया था कि उनके बारे में गलत बातें फैलाई जा रही हैं।

उन्होंने लिखा था: “मैं उन सभी को खुली चुनौती देती हूँ, जिनके मन में गलत विचार हैं और जो ऐसे लोगों को बढ़ावा देते हैं। अगर कोई यह साबित कर दे कि मैंने कभी भी अपने लिए या किसी और के लिए किसी से कोई

अंदर ही अंदर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
मल्लिकार्जुन खड्गे के साथ बैठक की और एनडीए की भारी जीत के लिए वोट चोरी को जिम्मेदार ठहराया।

हार के बाद उन्होंने आज लालू यादव, तेजस्वी, सैनी और तमाम लोगों को फोन करके उन्हें समझाने की कोशिश की कि वोट चोरी ही वह मुद्दा है, जिसे दुनिया के सामने उठाना चाहिए।

लेकिन लगता है कि आत्मचिंतन, विम्लेषण, जिम्मेदारी तय करना या जवाबदेही, राहुल गांधी के शब्दकोष का हिस्सा नहीं है।
पार्टी के अंदर, पार्टी को चलाने के तरीके को लेकर नाराजगी गहरी होती जा रही है। केस राहुल ने देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी के सक्रिय व अनुभवी नेताओं को किनारे कर दिया और उनकी जगह झोला ढोने वाले पुरुषों, महिलाओं, पूर्व आई.ए.एस. अधिकारियों और कॉर्पोरेट पृष्ठभूमि वाले लोगों को पार्टी चलाने की जिम्मेदारी दे दी। इनमें से ज़्यादातर प्रयोग नाकाम रहे और पार्टी लगातार केन्द्र और राज्यों, दोनों जगह चुनाव हारती गई।

हार-जीत राजनीति का हिस्सा हैं, लेकिन भाजपा के हाथों पूर्ण विनाश नहीं, जो इस बार बिहार में हुआ।

चुनाव से ठीक पहले राहुल की ही टीम ने ओ.बी.सी. (जिस पर राहुल सबसे अधिक जोर देते रहे हैं) से फोकस हटाकर ई.बी.सी. (इकोनॉमिकली बैकवर्ड क्लास) पर शिफ्ट कर दिया, जिससे पार्टी का संदेश कमजोर हो गया।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को इंगरपुर में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने 87 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

भोगीलाल राजकीय महाविद्यालय में भगवानबिरसा मुंडा की 15०वीं जयंती पर आयोजित राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे।

शर्मा ने कहा कि 15 नवंबर 1875 को झारखंड के उलिहातु गांव में जन्मे भगवान बिरसा मुंडा ने अल्पायु में ही अन्याय और शोषण के विरुद्ध संघर्ष का बिगुल बजा दिया। सामाजिक

असमानता और अंग्रेजी हुकूमत के अत्याचारों ने उनके अंतर्मन को विद्रोह से भर दिया।

केवल 15 वर्ष की आयु में उन्होंने अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई और 25 वर्ष की आयु में ‘उलगुलान आंदोलन’ का नेतृत्व कर पूरे देश में जनक्रांति की लौ जलाई।

शर्मा ने कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के 53 हजार 766 लाभार्थियों को फामं

पौड, डिग्री, पाइपलाइन, तारबंदी, कृषि यंत्र, गोवर्धन उर्वरक योजना एवं खेती के विभिन्न कार्यों के लिए और कृषि की पढ़ाई कर रही छात्राओं को प्रोत्साहन राशि के रूप में 2०0 करोड़ रुपये की राशि डीबीटी की। उन्होंने 12 हजार से अधिक जनजाति छात्र-छात्राओं को पोशाक एवं स्टेशनरी के लिए 4 करोड़ 8 लाख रुपये की राशि भी हस्तान्तरित की।

चांदनी चौक मस्जिद से तब्लीगी जमात के सदस्यों को हिरासत में लिया

- इसी मस्जिद में लाल किले का आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर नबी ठहरा था**

- सूत्रों के अनुसार, जमात के सदस्यों से डॉ. उमर की मौजदगी के कारण पूछताछ की गई तथा पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। मस्जिद प्रबंधन समिति से आंगतुकों का रिकॉर्ड देने के लिये कहा गया है।**

शामिल थे। इस कार्रवाई के दौरान, फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय के तीन डॉक्टरों को कथित तौर पर हिरासत में लिया गया है।

पुलिस सूत्रों ने पुष्टि की है कि हिरासत में लिए गए डॉक्टरों में से दो के नाम मोहम्मद और मुस्तकीम हैं, जिन्हें नृंह इलाके से हिरासत में लिया गया था।

कश्मीर के नौगाम थाने में विस्फोट में 9 मरे, 3 2 घायल

फरीदाबाद में बरामद विस्फोटक की फोरेंसिक जांच के लिये नमूना लेते समय आकस्मिक विस्फोट हुआ

- जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात ने कहा कि अत्यंत सावधानी के साथ काम करते समय दुर्भाग्यवश आकस्मिक विस्फोट हुआ। इस घटना के कारण के बारे में कोई अन्य अटकलें लगाना अनावश्यक है।**

विशाल प्रकृति के कारण यह प्रक्रिया पिछले दो दिनों, यानी कल और पर्सों फोरेंसिक टीम द्वारा चलायी जा रही थी। उन्होंने कहा, बरामदगी और नमूना लेने की प्रक्रिया की अस्थिर और संवेदनशील प्रकृति के कारण एफएसएल टीम द्वारा अत्यंत सावधानी के साथ काम किया जा रहा था। हालांकि, दुर्भाग्यवश इस दौरान कल रात लगभग 11.20 बजे एक आकस्मिक विस्फोट हुआ। इस घटना के कारण के बारे में कोई अन्य अटकलें लगाना अनावश्यक है।

उन्होंने कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में नौ लोगों की जान चली गई है। मारे गए लोगों में राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) के एक कर्मी, एफएसएल के तीन कर्मी, जम्मू-

पठानकोट का डॉक्टर दिल्ली

हमले के आतंकियों से सम्पर्क में था

पठानकोट, 15 नवंबर। दिल्ली में हुए बम ब्लास्ट के तार पठानकोट से भी जुड़ गए हैं। जानकारी के अनुसार, पठानकोट के एक अस्पताल में एनआईए की टीम की ओर से बीती रात इस मामले में जुड़े एक मुस्लिम डॉक्टर को राउंड अप किया गया है।

सूत्रों से पता चला है कि उक्त डॉक्टर की बात दिल्ली में हुए आतंकवादी हमले

- डॉ. रईस अहमद भट को पुलिस ने जांच के लिये राउण्ड अप किया।**

के आरोपियों के साथ होती थी। सूत्रों के अनुसार, एसएसपी पठानकोट दलजिंदर सिंह हिल्लों तथा थाना प्रभारी मामून प्रीति ने, घटना की पुष्टि के लिए बार-बार फोन करने के बावजूद, फोन नहीं उठाया। गिरफ्तार किए गए डॉक्टर की पहचान रईस अहमद भट निवासी अमृतनाग जम्मू-कश्मीर के रूप में हुई है। अहमद भट्ट 4 साल से व्हाइट मेडिकल कॉलेज पठानकोट में एसोसिएट प्रोफेसर सर्जरी डिपार्टमेंट का हेड था।

डॉ. मुजम्मिल के मोबाइल के कॉल डिटेल रिकॉर्ड में डॉक्टरों के बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ

नई दिल्ली, 15 नवंबर। दिल्ली में लाल किले के पास हाल ही में हुए बम धमाके के मामले में जांच एजेंसियों को बड़ा सुराग मिला है। गिरफ्तार संदिग्ध डॉक्टरों के साथ-साथ डॉक्टर मुजम्मिल के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल रिकॉर्ड, यानी सीडीआर से एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है। सूत्रों के अनुसार, एजेंसियों ने डॉक्टरों की एक लंबी लिस्ट तैयार की है। इसमें अल फलाह यूनिवर्सिटी से पढ़े और वहां काम करने वाले डॉक्टरों की संख्या ज्यादा है। इनमें से कई डॉक्टरों के फोन उमर के बम धमाके के बाद से बंद हैं, जिन्हें जांच एजेंसियां ट्रेस कर रही हैं। सूत्र बताते हैं कि करीब एक दर्जन से ज्यादा डॉक्टरों की तलाश की जा रही है, जो जैश से जुड़े इन संदिग्धों के संपर्क में थे।

दिल्ली में लाल किले के बाहर हुए ब्लास्ट की जांच अब हरियाणा के नृंह हाई कोर्ट ...

हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
एवकिंग सोजे एसपी शर्मा और जस्टिस बीएस संधू की खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा कि यदि पुलिस उगी की गई यशि की बरामदगी कर लेती है तो वह बैक लेने के लिए अधिकृत है। उपभोक्ता राकेश तोतुका की ओर से अधिवक्ता प्रतीक कासलीवाल ने बताया कि 11 फरवरी, 2022 की शाम 6.39 बजे से 12 फरवरी, 2022 को 1.30 एघम के बीच 14 बार में याचिकाकर्ता के बैंक खाते से 58.93 लाख रुपए उगी के जरिए निकले थे। बैंक ने 9 बार ओटीपी भेजने के आधार पर 15.6० लाख रुपए ही लौटाने की बात कही। इसे चुनौती देते हुए पीडित की ओर से कहा गया कि आरबीआई के परिपत्र के अनुसार, बैंक को उगी गई पूरी राशि पीडित को अदा करनी चाहिए।

बिहार चुनाव के बाद चुनाव आयोग ने बारह राज्यों में “सर” प्रक्रिया आरंभ कर दी आज से

इन बारह राज्यों में राजस्थान भी शामिल है तथा चुनाव आयोग 4 दिसम्बर से पहले यह प्रक्रिया पूरी करने का इरादा रखता है

–जाल खंबाता–
–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–
नई दिल्ली, 15 नवम्बर। बिहार चुनाव के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इन्टेन्सिव रिवीजन– एसआईआर) के आधार पर पूरा हो जाने के बाद, चुनाव आयोग ने अब एसआईआर का दूसरा चरण शुरू कर दिया है। यह अभियान राजस्थान सहित, 12 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में चल रहा है और 4 दिसंबर तक पूरा हो जाएगा।

एक महीने तक चलने वाली इस गणना प्रक्रिया में उन मतदाताओं को शामिल किया जाएगा, जो 27 अक्टूबर 2025 तक पात्र हैं। इस प्रक्रिया में मतदाताओं के लिए विशेष गणना फ़ॉर्म

की छपाई और वितरण भी शामिल है। राजस्थान में कुल 5,48,84,479 मतदाता हैं, जिनके लिए एसआईआर जारी किया जाएगा। राज्य में कुल 1,01,333 बीएलओ (बीएलओ) हैं, जबकि 5,46,56,215 गणना फ़ॉर्म छापे जा चुके हैं और 5,34,11,991 फ़ॉर्म वितरित किए जा चुके हैं।

राजस्थान की तरह, जिन अन्य राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में यह प्रक्रिया 4 नवंबर से शुरू होकर 4 दिसंबर तक चलेगी, वे हैं: पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, पुडुचेरी, मध्य प्रदेश, लक्षद्वीप, केरल, गुजरात, गोवा, छत्तीसगढ़ और अंडमान

एवं निकोबार द्वीप समूह। इस चरण में शामिल 12 राज्यों में कुल 50,99,72,687 मतदाताओं को कवर किया जाएगा, जबकि 48,67,37,064 मतदाताओं को उनके गणना फ़ॉर्म वितरित किए जाएंगे।

‘विवाहित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
आगे जारी नहीं रखा जाए। अदालत ने कहा कि ऐसा मुकदमा पिता-पुत्र के पवित्र रिस्ते पर कलंक है और समाज के लिए भी दुर्भाग्यपूर्ण है।

किसी भी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
राजद का सबसे अधिक वोट शेयर यह दिखाता है कि कई सीटों पर उसने कड़ा मुकाबला किया, लेकिन जीत की रेखा पार नहीं कर सका। यानी राजद को मिले वोटों से उसका वोट शेयर तो बढ़ गया, लेकिन ये वोट सीटों में बदल नहीं पाए। दूसरे शब्दों में, राजद ने अपनी ताकत का अधिक आकलन कर लिया।

2०1० के बाद से (जब उसने 22 सीटें जीती थीं) अपने सबसे खराब प्रदर्शन से जुझ रहे राजद के सामने सबसे बड़ी चुनौती है: लालू यादव द्वारा बनाए गए मुस्लिम–यादव (एम.वाय.) वोट बैंक में तीसरा सामाजिक समूह जोड़ना। लेकिन इस दिशा में काम करने के बजाय, यह पार्टी परिवार के भीतर उत्तराधिकार की लड़ाई में उलझा हुई है। तेजस्वी के बड़े भाई तेज प्रताप पहले ही बागी हो चुके हैं और बहन रोहिणी आचार्य अब राजनीति छोड़कर परिवार के पुराने सहयोगी या तो गुजर गए हैं या हाशिये पर चले गए हैं। इसलिए माना जा रहा है कि राजद अपनी वैचारिक दिशा से भटक गई है और बिना पतवार के बह रही है।

पिछले कुछ वर्षों में, लालू प्रसाद के पुराने सहयोगी या तो गुजर गए हैं या हाशिये पर चले गए हैं। इसलिए माना जा रहा है कि राजद अपनी वैचारिक दिशा से भटक गई है और बिना पतवार के बह रही है।

भाजपा ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
पहुँचा है और यह गंभीर अनुशासनहीनता है। पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री को सात दिन का समय दिया गया है कि वे बताएं कि उन्हें पार्टी से निष्कासित क्यों न किया जाए। पत्र में कहा गया: “श्री राज कुमार सिंह जी, पूर्व सांसद, आरा, आपकी गतिविधियाँ विरोधी पार्टी और अनुशासनहीन व्यवहार की श्रेणी में आती हैं। इससे संगठन को नुकसान पहुँचा है और पार्टी ने इसे गंभीरता से लिया है। इसलिए, निर्देशानुसार, आपको पार्टी से निलंबित किया जाता है और यह “कारण बताओ नोटिस” जारी किया जाता है। कि आपको पार्टी से निष्कासित क्यों न कर दिया जाए। आर.के. सिंह, जो पूर्व आईएएस अधिकारी और कभी बिहार में पार्टी के प्रमुख चेहरों में से एक थे, पिछले कई

महीनों से भाजपा के राज्य नेतृत्व की खुलकर आलोचना कर रहे थे। उन्होंने बार-बार उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को निशाना बनाया, जद (यू) नेता अनंत सिंह के प्रभाव पर सवाल उठाए और सरकार के बिजली क्षेत्र से जुड़े समझौतों पर भी चिंता जताई।

इस महीने ने की शुरुआत में, सिंह ने एक प्रस्तावित बिजली परियोजना से जुड़े 62,0०0 करोड़ रुपये के कथित भ्रष्टाचार से सम्बंधित कई दस्तावेज ऑनलाइन साझा किए थे।

उन्होंने चुनाव आयोग पर भी आरोप लगाया था कि वह चुनाव के दौरान आचार सहिता लागू कराने में नाकाम रहा है। सिंह ने कहा था, चुनाव आयोग को मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना चाहिए। यह चुनाव आयोग और जिला प्रशासन, दोनों की नाकामी है। चुनाव के

समय यह बहुत चिंता की बात है और स्वीकार्य नहीं है।

आर.के. सिंह ने केन्द्र के गृह सचिव पद से सेवानिवृत्त होने के बाद, 2०14 में भाजपा जॉइन की थी। इसके बाद उन्होंने आरा लोकसभा सीट से दो बार जीत हासिल की और ऊर्जा व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) के रूप में कार्य किया।

लेकिन 2024 का लोकसभा चुनाव हारने के बाद, सिंह भाजपा की बिहार इकाई के प्रति और अधिक आलोचनात्मक होते गए और कई बार वरिष्ठ नेताओं से उनके टकराव की स्थिति बात गई।

अब पार्टी में उनका भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि वे अनुशासन समिति को क्या स्पष्टीकरण देते हैं।

डॉ. शाहीन व डॉ. मुजम्मिल देश छोड़कर भागाने की फिराक में थे

फरीदाबाद, 15 नवंबर। दिल्ली में हुए आत्मघाती हमले का षड्यंत्र रचने वाली अल फलाह यूनिवर्सिटी में कार्यरत डॉ. शाहीन और डॉ मुजम्मिल की योजना देश छोड़कर भागाने की थी। जांच में कुछ ऐसे तथ्य सामने आए हैं, जिनसे सिद्ध हो रहा है कि डॉ. शाहीन ने भारत छोड़ अरब जाने की तैयारी पूरी कर ली थी।

इस संबंध में जानकारी मिली है कि धौज थाना क्षेत्र में पासपोर्ट वेरिफिकेशन के लिए आवेदन आया था। हालांकि, वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी होने के पहले ही आतंकी डॉ. मुजम्मिल और डॉ. शाहीन पुलिस के हथ्थे चढ़ गए।

बता दें कि जैश की महिला विंग की प्रमुख के रूप में सामने आई और अब गिरफ्तार हो चुकी सफेदपोश आतंकी डॉ. शाहीन खाड़ी धौज थाना क्षेत्र के अंतर्गत आती है। शाहीन ने आवेदन में पता यूनिवर्सिटी का ही दिया था। इसलिए धौज थाना पुलिस यूनिवर्सिटी के हॉस्टल के टावर संख्या 15 के फ्लैट नंबर 32 में पहुंची थी।

- दिल्ली के आत्मघाती हमले का षड्यंत्र रचने वाली शाहीन के पासपोर्ट वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी होने से पहले पुलिस ने दोनों को पकड़ लिया।**

पुलिस सूत्रों के अनुसार अक्टूबर माह में अल फलाह यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर डॉ. शाहीन सईद ने पासपोर्ट बनवाने के लिए आवेदन किया था। आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी होनी थी। अल फलाह यूनिवर्सिटी धौज थाना क्षेत्र के अंतर्गत आती है। शाहीन ने आवेदन में पता यूनिवर्सिटी का ही दिया था। इसलिए धौज थाना पुलिस यूनिवर्सिटी के हॉस्टल के टावर संख्या 15 के फ्लैट नंबर 32 में पहुंची थी।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्म एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : ०141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हुनुमान हथ्या, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स ०151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन डेड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : ०294-241०146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रतू भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:०145-2624665 जालौर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रियल एरिया, फस प्रथम, जालौर। फोन226422,226423, फैक्स: ०2973-226424 डिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-2०1, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: ०7469-23०600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: ०1562-256908

